



Mr. Manasv joshi

16 Apr 2019

01:02 AM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119635302

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 15-16/04/2019
दिन _____: सोम-मंगलवार
जन्म समय _____: 01:02:00 घंटे
इष्ट _____: 47:00:31 घटी
स्थान _____: Udaipur
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

अक्षांश _____: 24:36:00 उत्तर
रेखांश _____: 73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 00:27:08 घंटे
वेलान्तर _____: -00:00:09 घंटे
साम्पातिक काल _____: 14:01:49 घंटे
सूर्योदय _____: 06:13:47 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:56:40 घंटे
दिनमान _____: 12:42:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 01:25:24 मेष
लग्न के अंश _____: 24:02:40 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: धनु - गुरु
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: मघा - 4
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: गण्ड
करण _____: विष्टि
गण _____: राक्षस
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मेष

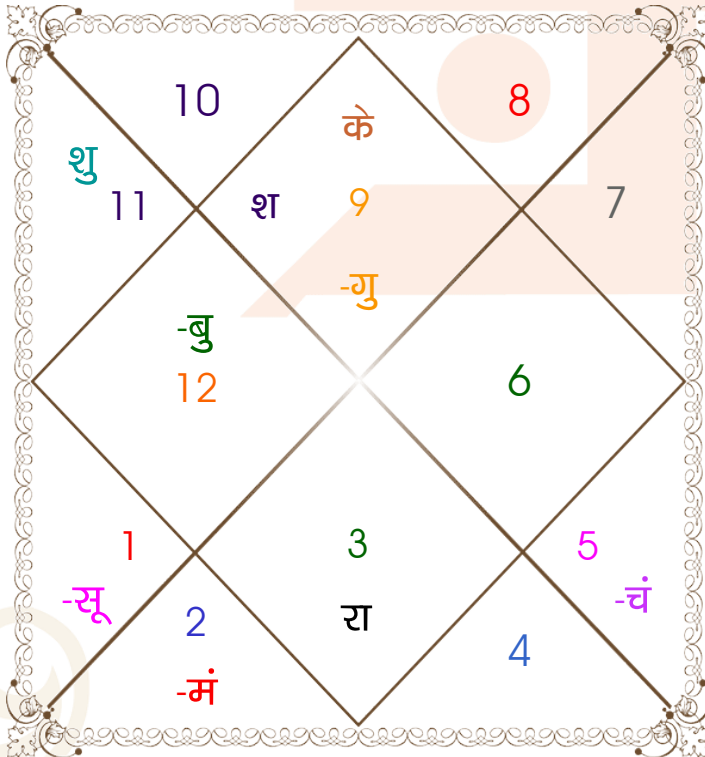
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	24:02:40	362:14:56	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मेष	01:25:24	00:58:44	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	11:31:16	14:35:15	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			वृष	16:08:08	00:39:23	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			मीन	04:10:13	01:09:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	नीच राशि
गुरु	व		धनु	00:11:15	00:00:57	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
शुक्र			कुंभ	29:59:53	01:12:34	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
शनि			धनु	26:13:53	00:01:23	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मिथु	27:53:43	00:03:11	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	27:53:43	00:03:11	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	उच्च राशि
हर्ष			मेष	07:59:47	00:03:26	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
नेप			कुंभ	23:27:50	00:01:53	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	---
प्लूटो			धनु	29:00:38	00:00:16	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			तुला	08:31:45	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	राहु	--

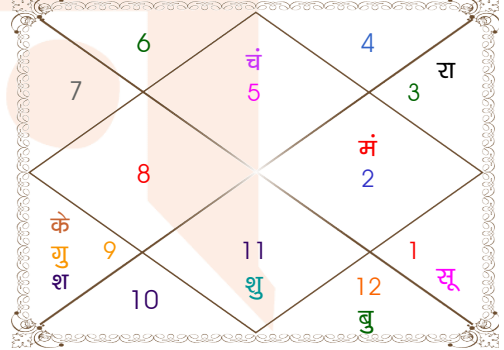
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:19

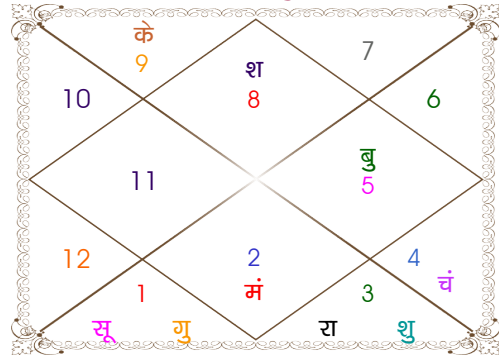
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 11 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
16/04/2019	28/03/2020	28/03/2040	29/03/2046	28/03/2056
28/03/2020	28/03/2040	29/03/2046	28/03/2056	29/03/2063
00/00/0000	शुक्र 29/07/2023	सूर्य 16/07/2040	चंद्र 27/01/2047	मंगल 24/08/2056
00/00/0000	सूर्य 28/07/2024	चंद्र 14/01/2041	मंगल 28/08/2047	राहु 12/09/2057
00/00/0000	चंद्र 29/03/2026	मंगल 22/05/2041	राहु 26/02/2049	गुरु 19/08/2058
00/00/0000	मंगल 29/05/2027	राहु 16/04/2042	गुरु 28/06/2050	शनि 27/09/2059
00/00/0000	राहु 28/05/2030	गुरु 02/02/2043	शनि 27/01/2052	बुध 24/09/2060
00/00/0000	गुरु 26/01/2033	शनि 15/01/2044	बुध 28/06/2053	केतु 20/02/2061
00/00/0000	शनि 28/03/2036	बुध 20/11/2044	केतु 27/01/2054	शुक्र 22/04/2062
16/04/2019	बुध 27/01/2039	केतु 28/03/2045	शुक्र 27/09/2055	सूर्य 28/08/2062
बुध 28/03/2020	केतु 28/03/2040	शुक्र 29/03/2046	सूर्य 28/03/2056	चंद्र 29/03/2063

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
29/03/2063	28/03/2081	28/03/2097	29/03/2116	29/03/2133
28/03/2081	28/03/2097	29/03/2116	29/03/2133	17/04/2139
राहु 09/12/2065	गुरु 16/05/2083	शनि 01/04/2100	बुध 26/08/2118	केतु 25/08/2133
गुरु 04/05/2068	शनि 27/11/2085	बुध 10/12/2102	केतु 23/08/2119	शुक्र 26/10/2134
शनि 11/03/2071	बुध 04/03/2088	केतु 19/01/2104	शुक्र 23/06/2122	सूर्य 02/03/2135
बुध 27/09/2073	केतु 08/02/2089	शुक्र 21/03/2107	सूर्य 29/04/2123	चंद्र 01/10/2135
केतु 15/10/2074	शुक्र 10/10/2091	सूर्य 02/03/2108	चंद्र 28/09/2124	मंगल 28/02/2136
शुक्र 15/10/2077	सूर्य 28/07/2092	चंद्र 01/10/2109	मंगल 25/09/2125	राहु 17/03/2137
सूर्य 09/09/2078	चंद्र 27/11/2093	मंगल 10/11/2110	राहु 13/04/2128	गुरु 21/02/2138
चंद्र 10/03/2080	मंगल 03/11/2094	राहु 16/09/2113	गुरु 20/07/2130	शनि 02/04/2139
मंगल 28/03/2081	राहु 28/03/2097	गुरु 29/03/2116	शनि 29/03/2133	बुध 17/04/2139

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 11 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगग्रस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी हैं तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते हैं कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक

संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

